



Abhishek kr. Mishra



Isvi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119594404



## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट    | वर       | कन्या  | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र         |
|--------|----------|--------|-----|---------|-----|-----------------|
| वर्ण   | क्षत्रिय | वैश्य  | 1   | 1.00    | --  | जातीय कर्म      |
| वश्य   | चतुष्पाद | मानव   | 2   | 1.00    | --  | स्वभाव          |
| तारा   | अतिमित्र | सम्पत  | 3   | 3.00    | --  | भाग्य           |
| योनि   | वानर     | गौ     | 4   | 2.00    | --  | यौन विचार       |
| मैत्री | गुरु     | बुध    | 5   | 0.50    | --  | आपसी सम्बन्ध    |
| गण     | मनुष्य   | मनुष्य | 6   | 6.00    | --  | सामाजिकता       |
| भकूट   | धनु      | कन्या  | 7   | 7.00    | --  | जीवन शैली       |
| नाड़ी  | मध्य     | आद्य   | 8   | 8.00    | --  | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल :  |          |        | 36  | 28.50   |     |                 |

Abhishek kr. Mishra का वर्ग मूषक है तथा Isvi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Abhishek kr. Mishra और Isvi का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

Abhishek kr. Mishra मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Isvi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

### कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा । न मंगली मंगल राहु योग ।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Isvi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

### यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा । अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Abhishek kr. Mishra कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक

दोष कट जाता है।

Abhishek kr. Mishra तथा Isvi में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

